वनवासी बच्चों के चेहरों पर आत्मविश्वास की मुस्कान के लिए एकल की सुर यात्रा ने जमाया रंग

मुंबई। कोरोना काल में भी मुंबई के लोगों का दिल उन वनवासी लोगों के लिए धड़कता रहा जो हजारों वर्षो से उपेक्षित और अभावों की जिंदगी जी रहे हैं। शिक्षा और रोजगार से वंचित हजारों लाखों वनवासियों के लिए एकल अभियान के माध्यम से वनबंधु परिषद् ने एक ऐसी मुहिम चलाई है कि कोई भी वनवासी बच्चा शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओँ से वंचित न रहे। इस अभियान की सफलता और इससे जुड़े हजारों लाखों दानदाताओँ की निष्ठा, समर्पण और संकल्प का फल है कि आज पूरे देश के वनवासी क्षेत्रों मे एकल विद्यालय सफलतापूर्वक चल रहे हैं।

कोरोना काल में भी इस अभियान को गति देने के लिए एकल अभियान द्वारा पार्श्व गायिका संजीवनी भिलांडे द्वारा प्रस्तुत लाइव वर्चुअल कॉन्सर्ट *"सुनहरे सुर" का आयोजन शनिवार, 19 सितंबर, शाम 7 बजे किया गया। 4 घंटे लगातार चली इस सुर यात्रा में सुरों के साथ नोटों की भी जमकर बरसात हुई। देश और दुनिया भर के लोगों ने एकल विद्यालय के लिए जी खोलकर दान दिया। देखते देखते ही संस्था के लिए साढ़े तीन करोड़ की राशि एकत्र हो गई।

संजीवनी भिलांडे ने जहाँ इस संगीतमयी संध्या में अपने स्वरों के जादू से श्रोताओँ और दर्शकों को मदहोश कर दिया वहीँ उनके साथ संगीत संयोजन कर रहे संजय सावंत, सर्वेश मिश्रा, प्रशांत नसेरी और 30 साथी संगीतकारों ने अपने वाद्य यंत्रों से संगीत का ऐसा दरिया बहाया कि सुर और संगीत की इस यात्रा में जो भी शामिल हुआ वो इसमें डूब ही गया। लॉक डाउन के इस दौर में संभवत: ये पहला और सबसे बड़ा आयोजन होगा जो चार घंटे चला और इसे दुनिया भर के लाखों लोगों ने लाईव देखा।

इस कार्यक्रम को देखने वालों में बिड़ला परिवार की श्रीमती राजश्री बिड़ला भी थी तो देश के कोने कोने में कई उदो्यगपति, कारोबारी, समाजसेवी और अपने अपने क्षेत्रों के दिग्गज शामिल थे।

इस आयोजन को सफल बनाने में मुंबई की श्रीमती सरिता मानसिंगका, श्रीमती चन्द्रलेखा रुंगटा, श्रीमती नयनतारा जैन के साथ ही उनकी पूरी टीम विगत कई महीनों से देश के कोने कोने में बैठे लोगों को वाट्सप से लेकर सोशल मीडिया के हर माध्यम से संदेश भेजकर इससे जोड़ रही थी।

मुंबई से ही श्री सत्यनारायण काबरा, प्रदीप गोयल, श्री गोपाल जी कंदोई, संजीव अग्रवाल, इन्दौर से एकल युवा अभियान की अध्यक्षा श्रीमती नेहा मित्तल, एकल युवा वर्ग के कोलकोता के मेंटर श्री नीरज हरोड़िया, कोलकोता से वनबंधु परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रमेश सरावगी, चेन्नई के श्री श्याम सुंदर दामानी, उत्तर पूर्व से श्री सुभाष अग्रवाल, दिल्ली के श्री नरेश अग्रवाल और एसके जिंदल ने इस आयोजन को घर घर में पहुँचाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी।

कार्यक्रम को प्रोयोजित करने में सेंचुरी प्लाय लिमिटेड, अनमोल बिस्किट,लक्स कोज़ी, स्किपर लिमिटेड, प्रिज्म ज्वैलरी, सरावगी उद्योग, तानिया इंडस्ट्रीज़, आर,आर ग्लोबल, कोटक महिंद्रा बैंक और आनंद राठी प्रायवेट वेल्थ मैनेजमेंट जैसे संस्थान शामिल थे। कार्यक्रम के दौरान फिल्म अभिनेता विवेक ओबेराय अपने संदेशों के माध्यम से एकल अभियान के बारे में लोगों को जागरुक करते रहे।

यही वजह रही कि यूटचूब पर इस कार्यक्रम को लगातार चार घंटे तक डेढ़ लाख लोगों ने देखा। 33 हजार लोगों ने इसे पसंद किया।

एकल अभियान की युवा व उत्साही अध्यक्षा श्रीमती नेहा मित्तल बताती है कि एकल अभियान के माध्यम से वनवासी क्षेत्रों में चलाए जा रहे एकल विद्यालयों की संख्या आज एक लाख 2 हजार 725

तक पहुँच गई है, जिनमें 27 लाख 76 हजार 110 छात्र-छात्राओँ को नि:शुल्क पढ़ाया जाता है।

एकल अभियान ने आज देश के सुदुर वनवासी क्षेत्रों में रह रहे लाखों वनवासियों को शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा देने के साथ ही उनके लिए संस्कार केंद्र और स्वावलंबन योजनाएँ भी संचालित की जा रही है। एकल विद्यालयों की पहुँच आज देश के कोने कोने मे हो चुकी है। ये विद्यालय बिहार, झारखंड से लेकर सुदूर असम, तक में चलाए जा रहे हैं।

कार्यक्रम की यू टचूब लिंक https://youtu.be/CFynHgunjqo

एकल अभियान की वेब साईट